श्री शांति प्रिय बेक आईआईटी/खड़गपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन में बी.टेक (ऑनर्स) हैं। वह भारतीय रेलवे के सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसएसई-1991 परीक्षा बैच) के अधिकारी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1994 में खुर्दा रोड डिवीजन, तत्कालीन दक्षिण पूर्व रेलवे में सहायक सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर (एएसटीई) के रूप में की । इसके बाद, मंडल सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर, चक्रधरपुर (डीएसटीई/सीकेपी)/एसईआर, एसटीई/आरई/समन्वय,डीएसटीई/वर्क्स/बिलासपुर/ एसईसीआर और सीनियर डीएसटीई/सीकेपी के रूप में तैनाती हुई। इस अवधि के दौरान एस एंड टी उपकरणों के सुचारू रखरखाव के अलावा महत्वपूर्ण आधुनिक सिग्नलिंग आइटम जैसे आईपीएस, एक्सल काउंटर और यूनिवर्सल फेल सेफ ब्लॉक उपकरणों का प्रयोग किया गया, जिन्हें बाद में सफल परीक्षणों के बाद भारतीय रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम में सेवा में प्रयोग किया गया ।

उनके पास एस एंड टी गियर्स की स्थापना और कमीशनिंग का व्यापक अनुभव है। सीकेपी और बीएसपी में डीएसटीई/वर्क्स के रूप में, 300 किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर संचार चालू किया गया, जिससे ट्रेन संचालन संचार प्रणाली में काफी सुधार हुआ। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉक, लेवल क्रॉसिंग, गेट इंटरलॉकिंग जैसे कई सिग्नलिंग इंस्टॉलेशन को CSTE/Con/KGP/SER के रूप में चालू किया गया । सीकेपी डिवीजन के चाईबासा-डोंगापोसी खंड में "रेडियो ट्रंकिंग सिस्टम" के पायलट प्रोजेक्ट को चालू करने के लिए उन्हें वर्ष 2000 में महाप्रबंधक/एसईआर द्वारा जोनल स्तर पर सम्मानित किया गया । वह नवनिर्मित ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क में सिंगल लाइन ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट के काम के लिए नए तकनीकी नवाचार करने के लिए 2005 में माननीय रेलमंत्री द्वारा सम्मानित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार के प्राप्तकर्ता भी हैं।

उन्होंने रेलवे बोर्ड में निदेशक योजना (विशेष), निदेशक सिग्नल और निदेशक सतर्कता (सिग्नल और दूरसंचार) के रूप में विभिन्न पदों पर भी काम किया है, जो सिग्नल और इलेक्ट्रिकल विभागों के सतर्कता मामलों को निपटाने ने के लिए जिम्मेदार हैं। निदेशक सिग्नल के पद पर रहते हुए इन्हें 2010 में माननीय रेलमंत्री द्वारा नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वह केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में संयुक्त सचिव (प्रशासन) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर रहें थे और बाद में अतिरिक्त सचिव के रूप में पदोन्नत हुए । सीआईसी से प्रत्यावर्तन पर, वह तब से सतर्कता से संबंधित कार्यकारी निदेशक सतर्कता (एसएंडटी)/रेलवे बोर्ड में एस एंड टी और इलेक्ट्रिकल विभागों संबंधित मामले के काम कर रहे हैं।
।उन्हें एक वर्ष से अधिक समय के लिए दो बार सीवीओ/रेल मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया । सीवीओ/रेल मंत्रालय उस अवधि के दौरान कई व्यवस्थित सुधार लाए गए और सतर्कता मामलों के प्रोसेसिंग में तेजी लाई गई।

इन्हें वर्ष 2007 में जापान सरकार के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत जापान इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एजेंसी द्वारा टोक्यो में आयोजित "माल ढुलाई क्षमता को मजबूत करने", वर्ष 2011 में सिंगापुर और मलेशिया में "ग्राहक कार्यनीति " पर उन्नत प्रबंधन कार्यक्रम, ड्यूक यूनिवर्सिटी, डरंम, यूएसए में "भौतिक विकेंद्रीकरण और स्थानीय सरकार वित्तीय प्रबंधन" और "सार्वजनिक प्रशासन में नैतिकता", विषय पर पंचगनी/पुणे में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से अपने ज्ञान को समृद्ध करने का अवसर मिला।